सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 83 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

इस संसार में मनुष्य का जन्म मुश्किल से मिलता है। यह मानव शरीर उसी तरह बार-बार नहीं मिलता जैसे वृक्ष से पत्ता झड़ जाए तो दोबारा डाल पर नहीं लगता। -कबीर दास

पंजाब ने तोड़ा रिकॉर्ड, हासिल किया... 7 | हरियाणा और हिमाचल में वोटर... 3 | अच्छे दिन के वादे करके भूल... 2

दो चरणों के मतदान के बाद सियासत में अब तमाचा और थप्पड़ की गूंज

» मोदी के करारा तमाचा वाले बयान के बाद कांग्रेस ने पीएम पर किए प्रहार

» विपक्ष बोला- हार से बौखलाई बीजेपी, अब अनाप-शनाप बकने लगी

» भाजपा ने भी खोला इंडिया गठबंधन के खिलाफ मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावों के दो चरण खत्म हो चुके हैं। अभी पांच चरण बाकी हैं। तीसरे चरण के चुनाव की तैयारी में सियासी दल जुटने लगे हैं। सत्ता में बैठी बीजेपी व सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के बीच सियासी तलवारें और पैनी होती जा रहीं हैं। कांग्रेस ने अब पूरी तरह से मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पीएम मोदी के करारा तमाचा के जवाब में कांग्रेस ने थप्पड़ वाला तंज मारा है। साथ ही मनमोहन सिंह सरकार के समय की बातों को बीजेपी द्वारा बार-बार उठाने को पाखंड बताया है।

कांग्रेस ने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, बीजेपी की तरफ से यही रोना रोया जाता था कि 2जी स्पेक्ट्रम का आवंटन एक 'घोटाला' है। अब, वे इसके विपरीत तर्क दे रहे हैं, वे नीलामी के बिना, जिसे चाहें उसे स्पेक्ट्रम देने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय में गए हैं। उधर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों से मिलान करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने कहा कि वह याचिका में पक्षकार नहीं है। नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि फैसला विपक्ष पर एक करारा तमाचा था।

राहुल पर टिप्पणी को लेकर एलडीएफ विधायक पीवी अनवर पर मामला दर्ज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को "चौथे दर्जे का नागरिक" बताने और उनके डीएनए की जांच कराने संबंधी टिप्पणियों को लेकर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर पर मामला दर्ज किया गया है। अनवर ने 22 अप्रैल को केरल के पलक्कड जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा था कि कांग्रेस नेता गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं। प्राथमिकी के अनुसार, इस घटना के बाद मजिस्ट्रेट अदालत के निर्देश पर 26 अप्रैल को एलडीएफ विधायक के खिलाफ नट्टकल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। अनवर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और जन प्रतिनिधि कानून की धारा 125 (चुनाव के संबंध में विभिन्न वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वकील बैजू नोएल रोसारिया की शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत ने मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया था। राहुल ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन से पूछताछ क्यों नहीं की और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप लगे हैं। उनकी इस टिप्पणी के बाद अनवर ने गांधी के खिलाफ टिप्पणियां कीं। राहुल के खिलाफ अनवर की टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक को सही ठहराया और कहा था कि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस नेता की आलोचना नहीं कि जा सकती।

चुनावी बॉण्ड पर बीजेपी को पड़ा था 'सुप्रीम' थप्पड़ : जयराम रमेश

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों से मिलान करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने कहा कि वह याचिका में पक्षकार नहीं है। नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि फैसला विपक्ष पर एक करारा तमाचा था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री को चुनावी बांड मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा थप्पड़ की याद दिलाई। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वीवीपैट पर याचिका में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक पार्टी नहीं थी, जिसे आज सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। पीएम मोदी की करारा तमाचा वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा,कुछ हफ्ते पहले सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार से भरी चुनावी बांड योजना को न सिर्फ अवैध घोषित करके पीएम को करारा तमाचा मारा था - बल्कि तमाचा भी। रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को पिछले पांच वर्षों में भ्रष्टाचार के चार प्राथमिक माध्यमों - चंदा दो, धंधा लो,ठेका लो, घूस दो, हफ्ता वसूली, के माध्यम से 8,200 करोड़ रुपये इकट्ठा करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। रमेश ने पहले भी एक मीडिया रिपोर्ट को हरी झंडी दिखाते हुए इसी तरह का आरोप लगाया था, जिसमें दावा किया गया था कि भाजपा को चुनावी बांड के माध्यम से घाटे में चल रही 33 कंपनियों द्वारा दान किए गए 582 करोड़ रुपये में से 75 प्रतिशत प्राप्त हुआ था।

2जी स्पेक्ट्रम मामले में दिखा बीजेपी का पाखंड : कांग्रेस

कांग्रेस ने 2जी स्पेक्ट्रम के मामले के फैसले में 'संशोधन की मांग करते हुए' केंद्र सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय का रुख किए जाने को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के "पाखंड की कोई सीमा नहीं है" क्योंकि उसने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के तहत 2जी स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन को "घोटाला" बताया था और अब नरेन्द्र मोदी सरकार बिना नीलामी के "स्पेक्ट्रम देने" की अनुमति मांग रही है। केंद्र ने 12 साल से अधिक समय बाद गत सोमवार को 2जी स्पेक्ट्रम मामले से जुड़े फैसले में संशोधन का अनुरोध करते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। हालांकि, एक शीर्ष सूत्र ने बाद में कहा कि सरकार 2012 के उच्चतम न्यायालय के फैसले को बदलने की कोशिश नहीं कर रही है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों को स्थानांतरित करते समय सरकार नीलामी का मार्ग अपनाने के लिए बाध्य है। इसने दो फरवरी 2012 के अपने फैसले में जनवरी 2008 में दूरसंचार मंत्री के रूप में ए. राजा के कार्यकाल के दौरान विभिन्न कंपनियों को दिए गए 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस रद्द कर दिए थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, "मोदी सरकार और भ्रष्ट जनता पार्टी के पाखंड की कोई सीमा नहीं है।

फिसलकर गिरीं ममता बनर्जी, हुईं चोटिल

» दुर्गापुर में हेलीकॉप्टर में चढ़ने के दौरान हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को चोट लगने की खबर सामने आई है। आज पश्चिम बर्धमान के दुर्गापुर में अपने हेलीकॉप्टर में चढ़ने के दौरान एक हादसे में ममता को ये चोट लगी। हेलीकॉप्टर में चढ़ने के बाद सीट लेते समय सीएम फिसल गईं और गिर गईं।

कथित तौर पर उन्हें मामूली चोट लगी। हालांकि, उन्होंने आसनसोल की अपनी आगामी यात्रा जारी रखी। इसके पहले वे 14 मार्च को कोलकाता में अपने घर में गिरने से गंभीर रूप से चोटिल हो गई थीं। तब उनके माथे पर गंभीर और गहरी चोट आई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें कुछ टांके लगे थे।

कई बार हो चुकी हैं घायल

इससे पहले 27 जून 2023 को विदेश यात्रा के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी। इसी घुटने में उन्हें साल की शुरुआत में हेलिकॉप्टर से उतरते समय भी चोट लगी थी। उनके घुटनों की जांच अस्पताल में की गई। जांच में ममता के बाएं पैर के घुटने के लिगामेंट में चोट का पता चला था। साथ ही उनके बाएं कूल्हे के जोड़ में भी चोट के निशान थे। अस्पताल में उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने अपना इलाज घर पर ही करवाया था। 10 मार्च 2021 को ममता नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के दौरान घायल हुई थीं। ममता के पैर में चोट लग गई थी। इसके बाद उन्हें कोलकाता के हॉस्पिटल में तीन दिन तक एडमिट रहना पड़ा। डॉक्टरों ने उनके पैर पर प्लास्टर चढ़ाया था। इसके बाद ममता ने व्हीलचेयर पर बैठकर ही विधानसभा चुनाव प्रचार किया था।

अच्छे दिन के वादे करके भूल गई बीजेपी : मायावती

कांग्रेस की तरह भाजपा द्वारा भी बड़ी वादा खिलाफी की गई है

» बोलीं -आज भी देश का गरीब त्रस्त क्यों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोला और जनता से लोकसभा चुनाव में किसी व्यक्ति या पार्टी के बजाय देश हित में वोट करने की अपील की है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि अच्छे दिन और गरीबी हटाओ के वादे के बाद भी करोड़ों गरीब त्रस्त क्यों हैं? एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि देश में खासकर गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं व अन्य वंचितों को यह जरूर सोचना चाहिए कि भाजपा के अच्छे दिन लाने के उनके बहुप्रचारित लुभावने वादे का क्या हुआ? उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के गरीबी हटाओ के वादे की तरह भाजपा द्वारा भी बड़ी वादा खिलाफी की गई है। जबकि देश को संविधान के मानवतावादी व कल्याणकारी पवित्र उद्देश्य के तहत चलाकर बहुजनों का अपेक्षित विकास सरकार का मूल कर्तव्य है। फिर करोड़ों गरीबों, एससी-एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों का जीवन लगातार लाचार और बदहाल क्यों है? किसी व्यक्ति या पार्टी विशेष के बजाय देश व देश के करीब सवा सौ करोड़ मेहनतकश जनता की गरीबी व बेरोजगारी मुक्त अच्छे दिन लाने के लिए वोट करने में ही देश व जनहित निहित है।

बहन जी के आदर्शों पर चलकर आगे बढ़ूंगा : आनंद

बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद मायावती की कर्मभूमि रहे अंबेडकरनगर पहुंचे रैली को संबोधित किया। जिले के शिवबाबा मैदान पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बहन जी ने अपना जीवन आदर्शों के रास्ते पर चलकर बसपा मूवमेंट को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जनता को नई राजनीतिक शक्ति दी है। मैं उनके पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ूंगा। दुश्मन साम, दाम, दंड और भेद की नीति अपनाएगा। आकाश ने जय भीम के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की राजनीतिक कर्मभूमि रही है। यहीं से वह प्रदेश और देश की सियासत में चमकीं। बसपा ने जिस कमर हयात को लोकसभा का टिकट थमाया है वह पार्टी में लंबे समय से सक्रिय हैं। जिले में उनकी पहचान सरल छवि के नेताओं में है। पार्टी ने पहले जिन कलामशाह को टिकट दिया था उनके सामने जिले में पहचान का संकट था, लेकिन कमर हयात के साथ ऐसा नहीं है। सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में वे किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं।

दूसरे चरण में भी नहीं निकले मतदाता

» यूपी में 54.83 फीसदी मतदान

» पहले चरण की तुलना में 5.76 फीसदी कम हुई वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बढ़ती गर्मी का असर शुक्रवार को दूसरे चरण में यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर हुए मतदान पर दिखा। अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर (अजा), अलीगढ़ और मथुरा में महज 54.83 फीसदी मतदान हुआ। ये पहले चरण की तुलना में करीब 5.76 फीसदी कम है। 19 अप्रैल को पहले चरण में प्रदेश में कुल 60.59 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में इन सीटों पर हुए मतदान से यह 7.93 फीसदी कम है।

इस बार 64.02 फीसदी वोटिंग के साथ अमरोहा पहले स्थान पर रहा। मथुरा में सबसे कम 49.29 फीसदी वोट पड़े। सभी जिलों में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया स्वतंत्र व निष्पक्ष बनाए रखने के लिए 8852 पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग की गई। इसकी निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर की गई। इसके अलावा 967 पोलिंग बूथों पर वीडियोग्राफी की गई।

शिकायत पर बदली गई यूनिटें

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के लिए रिजर्व ईवीएम एवं वीवीपैट की व्यवस्था की गई थी। मॉक पोल के दौरान 24 बैलेट यूनिट, 213 कन्ट्रोल यूनिट और 469 वीवीपैट बदले गए। मतदान शुरू होने के बाद शाम पांच बजे तक 48 बैलेट यूनिट, 48 कन्ट्रोल यूनिट एवं 208 वीवीपैट बदले गए।

कहां कितना मतदान

क्षेत्र	2019	2024
अमरोहा	71.05	64.02
मेरठ	64.29	58.70
अलीगढ़	61.68	56.62
बागपत	64.68	55.96
बुलंदशहर	62.92	55.79
गौतमबुद्ध नगर	60.49	53.06
गाजियाबाद	55.89	49.65
मथुरा	61.08	49.29
कुल	62.76	54.83

केरल में कमल खिलने की उम्मीद : अनिल एंटनी

» कहा- इस बार अलग होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्ची। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एके एंटनी के बेटे और पत्तनमथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार अनिल एंटनी ने कहा इस बार केरल में चुनाव अलग होगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य वित्तीय संकट में है और बड़े पैमाने पर सत्ता विरोधी लहर है। यह पूछे जाने पर कि इस बार क्या अलग है, अनिल एंटनी ने बताया कि कई कारक हैं। पिछले चुनाव में जब राहुल गांधी पहली बार (वायनाड से) खड़े हुए थे तो एक कहानी बनाई गई थी कि यूपीए जीत रही है, यूपीए वापस आएगा और राहुल गांधी प्रधानमंत्री होंगे। अंत में बदलाव आया, यही कारण है कि विधानसभा चुनाव में हुई वोटिंग, राष्ट्रीय स्तर पर हुए मतदान से बहुत अलग थी।

उन्होंने कहा, राज्य गंभीर वित्तीय संकट में है, जहां सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन और पेंशन देने में असमर्थ है। कासरगोड से तिरुवनंतपुरम तक, 20 सीटों में से प्रत्येक में सत्ता विरोधी लहर है। अब आप किसी कांग्रेस या सीपीएम समर्थक से बात करें और आप देखेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए-3 वापस आ रहा है। एंटनी पिछले साल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी ने कहा था कि केरल की पत्तनमथिट्टा लोकसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहा उनका बेटा अनिल के. एंटनी चुनाव में जीतना नहीं चाहिए. एंटनी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि उनके बेटे की पार्टी को हारना चाहिए और दक्षिण केरल निर्वाचन क्षेत्र में उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार एंटो एंटनी को जीतना चाहिए। पथानामथिट्टा में एंटनी का मुकाबला कांग्रेस के एंटो एंटनी से है, जो कि तीन बार के मौजूदा सांसद है और वाम दल के टीएम थॉमस इसाक से है, जो राज्य के पूर्व वित्त मंत्री हैं।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल : बघेल

» बोले- ईवीएम में फोटो छोटी करने से परिणाम नहीं बदलने वाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि लोकसभा के मतदाता फ़ोन करके शिकायत कर रहे हैं कि ईवीएम में बाकी प्रत्याशियों की फ़ोटो बड़ी और स्पष्ट है लेकिन मेरी फ़ोटो छोटी और अपेक्षाकृत अस्पष्ट है। बघेल ने आगे कहा कि फ़ोटो तो वैसी ही दी गई थी जैसी चुनाव आयोग ने मांगी थी। यह निष्पक्षता के चुनवा आयोग के दावों की कलई खोलता है।

क्या यह षडयंत्रपूर्वक किया गया है? लेकिन इससे परिणाम नहीं बदलने वाला है। लोकसभा के मतदाता फ़ोन करके शिकायत कर रहे हैं कि ईवीएम में बाकी प्रत्याशियों की फ़ोटो बड़ी और स्पष्ट है लेकिन मेरी फ़ोटो छोटी और अपेक्षाकृत अस्पष्ट है। इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा कि मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। महिलाएं, पुरुष और फर्स्ट टाइम वोटर सभी लंबी कतार में लगे हुई हैं। कहीं पर 50 प्रतिशत कहीं पर 60 प्रतिशत मतदान होने की खबरें हैं। छत्तीसगढ में शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि अभी पंडरिया में 114 पोलिंग बूथ में पुलिस वाले डराने धमकाने के काम कर रहे हैं। दूसरी ओर तेड़ीसरा में गुंडागर्दी की हद हो गई।

मुझे बूथ पर जाने से रोका

पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे बूथ पर जाने के लिए रोका जा रहा है। कह रहे हैं कि बूथ पर जाने का अधिकार नहीं है। मेरे खिलाफ मुर्दाबाद का नारा भी लगा रहे हैं लेकिन उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। बूथ में जाने के लिए कैसे रोक सकते हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग मुझसे धक्का मुक्की कर रहे थे। उन्होंने राजनांदगांव लोकसभा सीट से जीत दावा किया है। भूपेश बघेल ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि ईवीएम पर अभी कहीं एक जगह पता चला कि जो नंबर मशीन थी, जो अलॉट हुआ था। उसके जगह में दूसरे नंबर की मशीन आया था। इस प्रकार की शिकायतें आई हैं और कई जगहों पर मशीन बिगड़ने की शिकायत आई हैं।

अमेठी में बढ़ी हलचल, कांग्रेस राहुल को फिर लड़ाने को तैयार

» दिल्ली से आ सकती है कांग्रेस की कोर टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी के सियासी रण में दांवपेच तेज हो गया है। शनिवार को राहुल गांधी की कोर टीम का कार्यक्रम प्रस्तावित है। अगले सप्ताह राहुल गांधी भी अमेठी पहुंचेंगे। हालांकि तिथि अभी तय नहीं है। माना जा रहा है कि कोर टीम की रिपोर्ट के आधार पर ही अग्रिम कार्यक्रम जारी किए जाएंगे। पांचवें चरण में 20 मई को होने वाले मतदान के लिए शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई।

अभी तक कांग्रेस से प्रत्याशी का एलान नहीं हो सका है, लेकिन माना जा रहा है कि राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़ेंगे। इसे लेकर संगठन ने तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में 1923 बूथों की कमेटियों को प्रभावी कर दिया गया है। हर बूथ पर 10 सदस्यों की टीम बनाई गई है, जिसमें पहली बार चार सदस्यों को पोलिंग एजेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। पहले पोलिंग पर सिर्फ तीन कार्यकर्ता होते थे, इस बार इनकी संख्या बढ़ाई गई है। अमेठी संसदीय सीट की पांचों विधानसभाओं के 130 न्याय पंचायत प्रभारियों को सक्रिय कर दिया गया है।

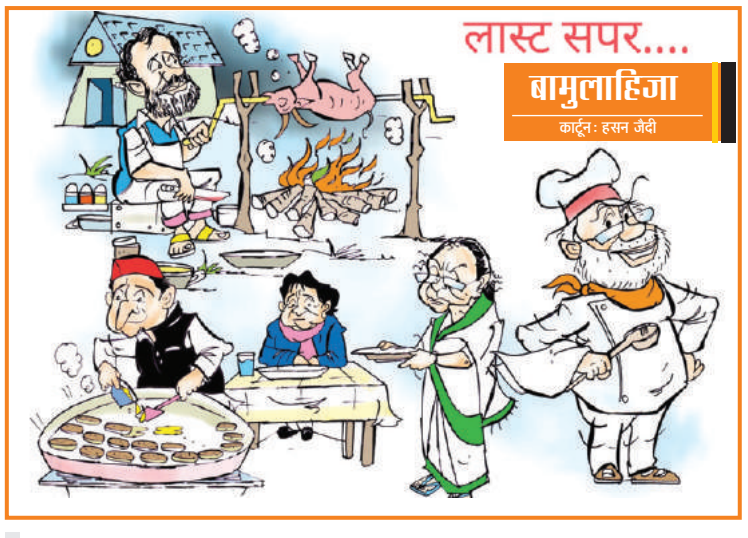

हरियाणा और हिमाचल में वोटर में तेज है हलचल

इन दोनों राज्यों में होने हैं चुनाव

कांग्रेस व बीजेपी की प्रतिष्ठा दांव पर

अपनों को संभालने में छूटा भाजपा-कांग्रेस का पसीना

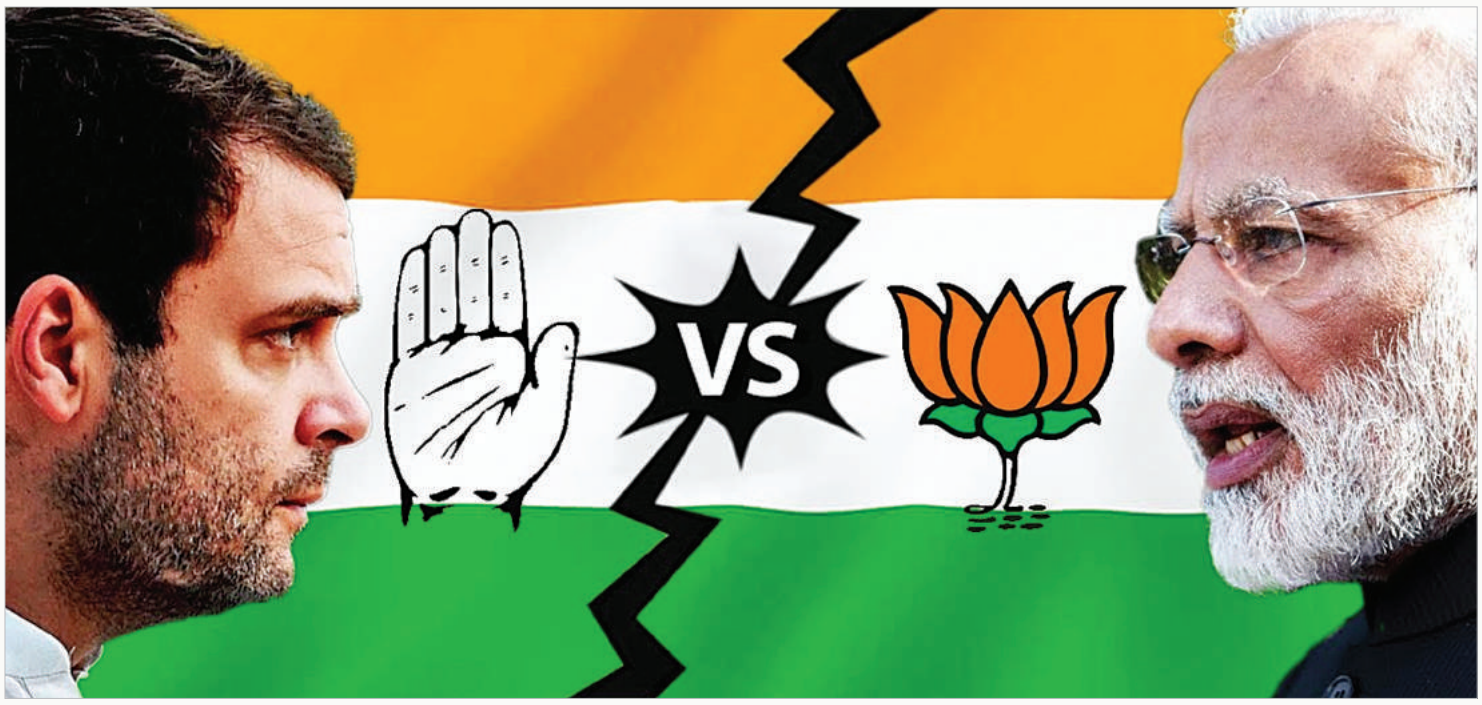

» कांग्रेस अपने बागी विधायकों पर नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो चरणों के मतदान हो चुके हैं। कुल 190 सीटों पर वोटिंग हुई। दक्षिण व पूर्व में तेज वोटिंग हुई जबकि उत्तर भारत में अपेक्षकृत कम मतदान हुआ। कम व ज्यादा मतदान का सब अपने-अपने तरीके से विश्लेषण कर रहे हैं। 4 जून के बाद सारी बाते सामने आएंगी। अब सारी सियासी पार्टियां तीसरे चरण की तैयारी में जुटेंगी। वहीं उत्तर भारत के दो महत्वपूर्ण राज्य हिमाचल व हरियाणा में भी जबरदस्त चुनावी माहौल बना हुआ है। हिमाचल में कांग्रेस व हरियाणा मेंभाजपा की शाख दांव पर लगी है।

हिमाचल प्रदेश में अपनों को संभालने में भाजपा और कांग्रेस का पसीना छूट रहा है। कांग्रेस पार्टी के छह बागी विधायकों की ओर से राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन के पक्ष में क्रॉस वोटिंग के बाद ही यह 'सियासी खो-खो' का खेल शुरू हुआ है। रुष्ट भाजपाइयों ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थामना शुरू किया है। भाजपा ने छह बागी विधायकों को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने भी दांव खेलते हुए अपने पूर्व विधायक रहे भाजपा में शामिल राकेश कालिया को फिर से अपने साथ मिला लिया तो अब सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे कैप्टन रंजीत राणा को अपनाकर भाजपा को झटका दिया है। वह उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी के संभावित प्रत्याशी हो सकते हैं। इससे साफ है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों में ही अंदरखाते असंतुष्टों में खलबली मची हुई है। दोनों पार्टियां अपने-अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की नाराजगी दूर करने में लगी हैं। अपनों को मनाना इन दलों के सामने बड़ी चुनौती है। कांग्रेस पार्टी के छह बागी विधायकों को भाजपा के टिकट मिलने के बाद अब इनके क्षेत्रों के कई नेता और कार्यकर्ता नाराज हैं। वे कांग्रेस विचारधारा से आए नेताओं को आगे किए जाने को पचा नहीं पा रहे हैं। लाहौल स्पीति विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के बागी विधायक रहे रवि ठाकुर को उपचुनाव में टिकट दिए जाने से भाजपा सरकार में मंत्री रहे रामलाल मारकंडा और उनके समर्थक खफा हो गए हैं। कुटलैहड़ उपचुनाव के लिए कांग्रेस के बागी देवेंद्र कुमार भुट्टो को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने से पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर और उनके समर्थकों में रोष है। कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव में छह बागी विधायकों के भाजपा में शामिल होने को चुनावी मुद्दा बनाया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मंच व रैलियों में बार-बार आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा ने बड़ी डील करते हुए कांग्रेस पार्टी के विधायकों को भाजपा में शामिल किया है। तीन निर्दलीय विधायक हमीरपुर के आशीष शर्मा, नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर और देहरा के निर्दलीय विधायक होशियार सिंह भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं। तीनों ने विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा सौंप दिया है। हालांकि तीनों सीटों पर विधानसभा उपचुनाव पर पेच फंसा है। अध्यक्ष ने अभी तक तीनों का इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। मामला अदालत में है।

धर्मशाला में टिकट को लेकर असंतोष

धर्मशाला और सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में भी उठापटक चल रही है। धर्मशाला में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए सुधीर शर्मा को प्रत्याशी बनाए जाने से पूर्व भाजपा प्रत्याशी राकेश चौधरी असंतुष्ट चल रहे हैं। उनसे भी कांग्रेस के संपर्क में होने की चर्चा है। इससे पहले भाजपा के हमीरपुर नगर परिषद अध्यक्ष मनोज मिन्हास कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। पाला बदलने में पंडित सुखराम का परिवार भी सुर्खियों में रहा है। पंडित सुखराम कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे। केंद्र में भी मंत्री रहे। उन्होंने कांग्रेस को छोड़कर नई पार्टी हिमाचल विकास कांग्रेस बनाई थी। उनके बेटे अनिल शर्मा पहले वीरभद्र सिंह की सरकार में ऊर्जा मंत्री रहे। उसके बाद इन्होंने भी कांग्रेस छोड़ी। 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर विजयी हुए। अब वह भाजपा के विधायक हैं। वहीं, इंदु वर्मा का परिवार भी दल बदलने के लिए मशहूर रहा है। वह पूर्व विधायक स्व. राकेश वर्मा की पत्नी हैं। उन्होंने ठियोग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा और कांग्रेस पार्टी से टिकट की पैरवी की। बाद में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा पर हार का सामना करना पड़ा। अब वह भाजपा में हैं।

हरियाणा की आठ लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस प्रत्याशी घोषित

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को हरियाणा की आठ लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार घोषित किए, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख नाम हैं। सैलजा को सिरसा से और दीपेंद्र हुड्डा को रोहतक से प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, उसने हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा को करनाल लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है। अंबाला से वरुण चौधरी, हिसार से जयप्रकाश, भिवानी-महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह, सोनीपत से सतपाल ब्रह्मचारी और फरीदाबाद से महेंद्र प्रताप को पार्टी का टिकट दिया गया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके विरोधी गुट में शामिल माने जाने वाले नेताओं के बीच लंबी खींचतान और पार्टी में गहन मंत्रणा बाद हरियाणा के लिए पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि अब भी गुरुग्राम के लिए पार्टी ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

कई भाजपा नेता पाला बदलने को तैयार

छह कांग्रेसी विधायकों के भाजपा में जाने से पार्टी को कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। जनता इन्हें उपचुनाव में सबक सिखाएगी। इन्हें भाजपा के प्रत्याशी बनाए जाने से संगठन का झंडा उठाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। ऐसे में भाजपा के कई नेता कांग्रेस पार्टी में आने को तैयार बैठे हैं।

एक-दो लोगों के जाने से फर्क नहीं

एक-दो लोगों के कांग्रेस में जाने से भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सभी 6 विधायकों को उपचुनाव में प्रत्याशी बनाया है। इसको लेकर पूर्व में कार्यकर्ताओं में थोड़ी नाराजगी थी, अब सब ठीक हो गया है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता उन्हें जिताने में दिनरात एक कर रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में पार्टी आगे बढ़ रही है।

भाजपा इस बार चुनाव में 400 पार करेगी : सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि संसद में दो सीट से अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बार चुनाव में 400 पार करेगी। भाजपा के 44 वें स्थापना दिवस पर यहां पार्टी का झंडा फहराने के बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब मतदान तक तक वे घर न बैठें, बल्कि लोगों के बीच जाकर उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में बताएं। उन्होंने दावा किया कि जनता का आशीर्वाद भाजपा और नरेन्द्र मोदी के साथ है, इसलिए इस बार भी हरियाणा की भाजपा सरकार राज्य से सभी दस लोकसभा सीट जिताकर मोदी को देगी।

आप-कांग्रेस में है जुगलबंदी

कांग्रेस हरियाणा में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस नौ सीट पर और आम आदमी पार्टी कुरुक्षेत्र की एकमात्र लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी।

कांग्रेस ने भिवानी-महेंद्रगढ़ से हुड्डा के करीबी माने जाने वाले राव दान सिंह को उम्मीदवार बनाया है जो वर्तमान में महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक भी हैं। इसी तरह पार्टी ने हिसार लोकसभा सीट से प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश को टिकट दिया है। इस लोकसभा क्षेत्र के वर्तमान सांसद और पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए बृजेंद्र सिंह को भी दावेदार माना जा रहा था। बृजेंद्र सिंह के पिता और वरिष्ठ नेता चौधरी वीरेंद्र सिंह ने कुछ दिन पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में वापसी की है। पार्टी ने अंबाला लोकसभा क्षेत्र से वरुण चौधरी को उम्मीदवार बनाया है जो प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूलचंद मुलाना के पुत्र हैं। वहां से पिछले कई लोकसभा चुनाव से सैलजा अंबाला से चुनाव लड़ रही थीं, लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें सिरसा से उम्मीदवार बनाया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार फिर से रोहतक से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। पिछली लोकसभा चुनाव में वह एक नजदीकी मुकाबले में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरविंद शर्मा से चुनाव हार गए थे। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस देश भर में अब तक 317 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सूरत में निर्विरोध चुनाव: नोटा पर फिर उठे सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी प्रत्याशी से ज्यादा वोट नोटा को मिलने पर दोबारा चुनाव की मांग पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। अब आगे पूरी सुनवाई के बाद ही पता चलेगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला लेती है। कुल मिलाकर नोटा का भी कुछ बेहतर उपयोग करना जरूरी है। बता दें कि फिलहाल ये व्यवस्था है कि प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट पाने वाले को विजेता माना जाता है।

लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के बीच सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम-वीवीपैट के मिलान से संबंधित मांग वाली याचिका खारिज कर दी साथ ही वैलेट पेपर से वोटिंग कराने मांग को भी रद्द कर दिया। आयोग को कुछ निर्देश भी दिए हैं। वहीं नोटा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस बाबत एक याचिका सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी प्रत्याशी से ज्यादा वोट नोटा को मिलने पर दोबारा चुनाव की मांग पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। अब आगे पूरी सुनवाई के बाद ही पता चलेगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला लेती है। कुल मिलाकर नोटा का भी कुछ बेहतर उपयोग करना जरूरी है। बता दें कि फिलहाल ये व्यवस्था है कि प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट पाने वाले को विजेता माना जाता है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इसी व्यवस्था के चलते सूरत से एक प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि यह विषय विस्तृत सुनवाई का है। इस याचिका का असर सूरत सीट के नतीजे या मौजूदा लोकसभा चुनाव के किसी भी पहलू पर नहीं पड़ेगा। मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा की ओर से दाखिल की गई इस याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की।

खेड़ा की ओर से दायर इस याचिका में यह नियम बनाने की भी मांग की गई है कि नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को 5 साल के लिए किसी भी तरह के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया जाए। इसके अलावा नोटा को एक काल्पनिक उम्मीदवार के तौर पर देखा जाए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम-वीवीपैट को लेकर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने सभी 100 फीसदी सत्यापन की याचिकाएं खारिज की है। ईवीएम-वीवीपैट को लेकर जजों ने यह फैसला सहमति से लिया है। आपको बता दें कि कोर्ट ने वीवीपैट के साथ ईवीएम के वोटों के 100 फीसदी सत्यापन की मांग करने वाली याचिका पर यह फैसला दिया है। कोर्ट ने फैसला सुनाते समय पेपर बैलेट की मांग को भी खारिज कर दिया है। फैसला सुनाते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हमने सभी याचिकाओं को खारिज किया है। लोकतंत्र अपने विभिन्न स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास पर आधारित है। इस पर कोर्ट का रुख साक्ष्यों पर आधारित रहा है। वहीं जस्टिस दीपांकर दत्ता ने फैसला सुनाते समय कहा कि किसी प्रणाली पर आंख मूंदकर संदेह करना सही नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि हमारे अनुसार सार्थक आलोचना की आवश्यकता है। चाहे वह न्यायपालिका हो, विधायिका आदि हों। लोकतंत्र का अर्थ सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास बनाए रखना है। विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सच जानने के लिये सर्वे और दावे-प्रतिदावे

हेमंत पाल

अयोध्या, ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि के स्वामित्व की प्रामाणिकता के लिए कोर्ट के निर्देश पर ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने साइंटिफिक सर्वे किया था। अपनी प्रमाणिक रिपोर्ट से एएसआई ने जो साबित किया, वो दुनिया के सामने है। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के निर्देश पर इसी तरह का सर्वे धार की भोजशाला में किया जा रहा है। एएसआई को अपने सर्वे से साबित करना है कि भोजशाला वास्तव में राजा भोज द्वारा निर्मित सरस्वती मंदिर है या मौलाना कमालुद्दीन की बनाई मस्जिद! दोनों पक्षों के बीच सौ सालों से ज्यादा समय से यह विवाद है। एक महीने से एएसआई भोजशाला में सर्वे कर रही है। हाई कोर्ट ने एएसआई को सर्वे करके और अपनी रिपोर्ट अगले 45 दिन में उसे सौंपने का निर्देश दिया था। लेकिन, अब एएसआई ने इसके लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

क्योंकि, निर्धारित अवधि में काम पूरा संभव नहीं है। सर्वे की प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए कोर्ट के निर्देश पर हिंदू और मुस्लिम प्रतिनिधियों को भी सर्वे टीम के साथ अंदर जाने की इजाजत मिली है। पहले दिन मुस्लिम पक्ष ने सर्वे टीम के साथ परिसर में जाना टाला, उसके बाद से दोनों पक्षों के प्रतिनिधि सर्वे टीम के साथ सुबह से शाम तक मौजूद रहते हैं। हालांकि, एएसआई को सर्वे पर किसी भी तरह का बयान देने की इजाजत भी नहीं है क्योंकि, रिपोर्ट हाईकोर्ट में जमा करानी है। मगर सर्वे टीम के साथ अंदर जाने वाले दोनों पक्षों के प्रतिनिधि अंदर जाते हैं, तो वे मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करके जाते हैं, जो इस सर्वे की गोपनीयता को भंग करने जैसी होती है। मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में उनके द्वारा लगाई गई आपत्तियों का जिक्र करने के साथ यह भी बताते हैं कि बीते सौ सालों से ज्यादा समय में भोजशाला विवाद में क्या कुछ हुआ! वे उन तर्कों को भी नकारते हैं, जो हिंदू पक्ष के लोग सामने रखने की कोशिश करते हैं। इसी तरह हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि मुखरता से बताते हैं कि सर्वे के दौरान अंदर मिलने वाले प्रमाण संकेत दे रहे हैं, कि यह सरस्वती मंदिर रहा है।

वास्तव में तो सीधे-सीधे इस बात की मार्केटिंग करने की भी कोशिश की जा रही है कि एएसआई का यह सर्वे हिंदू धर्मावलंबियों की याचिका पर ही किए जाने के निर्देश हुए हैं। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट के हाईकोर्ट में पेश किए जाने से पहले ऐसी बयानबाजी गोपनीयता भंग

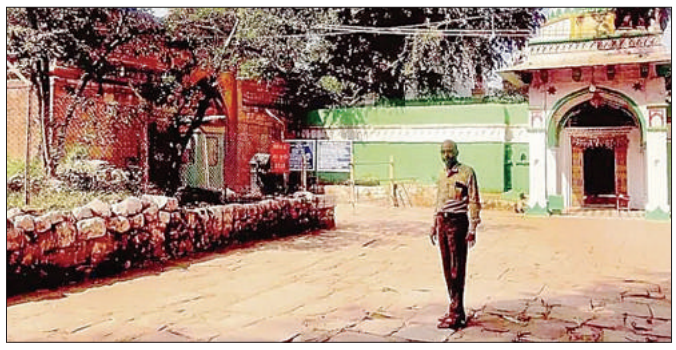

करने जैसा कृत्य कह सकते हैं। सर्वे के दौरान जब भी मंगलवार या शुक्रवार आता है, तो हिंदू और मुस्लिम पक्ष के लोग भोजशाला परिसर में जाकर अपनी आराधना करते हैं। शुक्रवार को मुस्लिम नमाज अता करने और मंगलवार को हिंदू परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। कई साल पहले केंद्र सरकार ने दोनों पक्षों को यह व्यवस्था दी थी, तब से प्रशासन की देखरेख में इसका पालन किया जा रहा है। देखा गया कि सर्वे के दौरान हर मंगलवार को जब हिंदू पक्ष भोजशाला में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं, उस दिन हिंदू पक्ष की तरफ से भोजशाला आंदोलन से जुड़ा कोई बड़ा हिंदूवादी नेता मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करता है, जो सुर्खी बनती है। उन्हें एएसआई सर्वे पर न कोई बयान देने की जरूरत है, न इजाजत। हिंदू पक्ष के लोग बार-बार मथुरा, ज्ञानवापी और अयोध्या के एएसआई सर्वे के नतीजे को आधार बनाकर भोजशाला में भी उसी तरह के प्रमाण मिलने का दावा करते हैं। जबकि, मुस्लिम प्रतिनिधि का दावा रहता है कि 1902 और 1903 में भी इसी तरह का सर्वे हुआ था और उस समय यह मान लिया गया था कि यह मंदिर नहीं है। आज भी उनका दावा है कि 1300 ईस्वी में जब मौलाना कमालुद्दीन यहां आए थे और उन्होंने मस्जिद बनाई थी। उस समय यहां कई तरह का रॉ-मैटेरियल मस्जिद के निर्माण के लिए लाया गया था। संभवत: उस समय लाए गए रॉ-मैटेरियल में कुछ ऐसी सामग्री आ गई होगी जो यहां हिंदू धर्म का प्रमाण दे रही है। भोजशाला में बनी एक अक्कल कुईया को लेकर भी दोनों पक्षों के पास ऐसे दावे हैं, जो सर्वे को प्रभावित कर सकते हैं। हिंदुओं का कहना है कि इस तरह की अक्कल कुईया आर्यावर्त में 7 जगह है जिसमें से तीन जगह भारत में है।

एक इलाहाबाद में, एक तक्षशिला और तीसरी भोजशाला में। धार की भोजशाला की अक्कल कुईया के बारे में उनका कहना है कि यह सरस्वती नदी से जुड़ा हुआ जल स्रोत था। माना जाता है कि जहां भी शिक्षा के विकसित केंद्र रहे, वहां विद्यार्थियों को ज्ञान देने के लिए इस तरह की कुईया का निर्माण किया गया। इसमें वे पत्थर पाए गए, जो विलुप्त हुई सरस्वती नदी में होते थे। इसके प्रमाण में हिंदू पक्ष विष्णु श्रीधर वाकणकर की किताब का हवाला देते हैं। जबकि, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वास्तव में यह अक्कल कुईया नहीं, बल्कि मस्जिदों के पास पाए जाने वाला जल कुंड है। वास्तव में इसकी सच्चाई एएसआई के सर्वे से ही पता चलेगी। लेकिन दोनों पक्षों की बयानबाजी सामाजिक सामंजस्य के लिए उचित नहीं है।

अब मालदीव से सतर्क रहने का वक्त

पुष्परंजन

मोहम्मद मुइज्जू ने चुनाव परिणाम को 'सुपर मेजोरिटी' कहा है। दो लाख 84 हजार 887 मालदीवियन वोटरों में से 84.14 फीसद ने संसदीय चुनाव में हिस्सा लिया था। मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने संसद की 93 सीटों में से 71 पर फतह की है। पीएनसी के पास अपने गठबंधन दलों के साथ कुल मिलाकर 75 सीटें हैं, जबकि मुख्य विपक्षी मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) पहले की 65 सीटों से घटकर केवल 12 सीटों पर रह गई है। पीएनसी ने 90 प्रत्याशी उतारे थे, जबकि एमडीपी ने 89 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव लड़ा। 130 स्वतंत्र उम्मीदवारों से अलहदा जम्हूरी पार्टी (जेपी) के 10 और डेमोक्रेट्स के 39 कैंडिडेट्स थे। जीत-हार का फासला सुनकर हैरान होइएगा। पचास-सौ वोट से भारत के किसी गली-मोहल्ले और हाउसिंग सोसायटी चुनाव में लोग हारते-जीतते हैं। दुनिया मॉमून मालदीव की विदेशमंत्री रह चुकी हैं।

अहमद फारिस मॉमून उनके भाई हैं, जो कभी अर्थ मंत्रालय संभालते थे। पूर्व राष्ट्रपति मॉमून अब्दुल गयूम की दोनों संतानें इस बार चुनाव हार चुकी हैं। 1978 से 2008 तीस साल तक अखंड राज किया था मॉमून अब्दुल गयूम ने। उस कालखंड में इनकी संतानों के जलवे थे। जनमत की ताकत ने चमकते चांद को टूटा हुआ तारा बना डाला। यह बात सफलता के नशे में चूर राष्ट्रपति मुइज्जू की समझ में शायद देर से आये। अभी सबको यही लग रहा है कि मुइज्जू ने 'इंडिया आउट' का जो नारा दिया था, उसका असर संसदीय चुनाव पर भी पड़ा है। बेशक पड़ा होगा। लेकिन अमेरिकी फैक्टर सबकी आंखों से ओझल है। इस परिणाम से अमेरिका को भी झटका लगा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि हमने चुनाव परिणामों पर बारीकी से नजर रखी है। हमें यह सुनकर खुशी हुई कि पर्यवेक्षकों ने कोई बड़ा मुद्दा या अनियमितता नहीं बताई है और नतीजे लोगों की इच्छा के अनुरूप हैं। हिंद-प्रशांत में क्षेत्रीय प्रभाव को विस्तार देने और चीन को बेअसर करने के लिए अमेरिका ने 2023 में माले में दूतावास खोला था। यों, अमेरिका ने मालदीव की स्वतंत्रता के बाद 1966 में उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।

हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक साझेदारी को विस्तार देने के मकसद से अमेरिका ने सितंबर, 2020 में मालदीव से सुरक्षा सहयोग पर हस्ताक्षर किए थे। तो क्या मालदीव में अमेरिकी रणनीति विफल हो गई? दिल्ली पर सवाल दरपेश करने से पहले इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। मालदीव ने 1965 में इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। उस समय इस्राइल, मालदीव को मान्यता देने वाला तीसरा देश था, और इस्राइली राजदूत मालदीव के राष्ट्रपति को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत करने वाले पहले कूटनीतिक थे। 2009 में राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद के नेतृत्व में मालदीव ने इस्राइल के साथ पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। मालदीव इस्राइली पर्यटकों के बीच लोकप्रिय डेस्टिनेशन रहा है। लेकिन गाजा युद्ध के बाद सब कुछ बदल गया।

वर्ष 2023 में फलस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मालदीव में 'इस्राइल आउट' जैसे प्रदर्शन आयोजित किये गये। मालदीव के सांसद सऊद हुसैन ने इस्राइली पासपोर्ट धारकों को देश में आने पर प्रतिबंध लगाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव पेश किया था। साथ में इस्राइली युद्ध का समर्थन करने वाली कंपनियों के बहिष्कार का आह्वान किया था। इन सबका फायदा मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को इस बार के संसदीय चुनाव में मिला है। भारत ने जिस तरह नेतन्याहू के प्रति सहानुभूति दिखाई, उसने भी चुनाव प्रचार के समय पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के लिए ईंधन का काम किया था। पीएनसी की विजय और मुख्य विपक्षी मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) की पराजय के पीछे पंचतंत्र की तरह कहानी के पीछे कहानियों के जाल बिछे हैं। इस समय सबसे गद्गद चीन है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम सफल संसदीय चुनावों के लिए मालदीव को बधाई देते हैं, और मालदीव के लोगों की पसंद का पूरा सम्मान करते हैं। हमें साझा भविष्य तय करना है। मालदीव के साथ काम करने को हम तैयार हैं।' अब जिस तरह मालदीवियन संसद 'मजलिस' में सुपर मेजोरिटी मुइज्जू की पार्टी को हासिल हुई है, चीन के सोये अरमान जग चुके हैं।

शिन्हुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने कहा, 'चुनाव से पहले, विपक्षी दल ने संसद को नियंत्रित किया था, इसलिए मुइज्जू के राष्ट्रपति पद को काफी दबाव और चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। अब हासिल चुनावी जीत मुइज्जू को काफी मजबूत करती है, जो उनकी वर्तमान घरेलू और विदेशी नीतियों के सुचारु कार्यान्वयन के लिए फायदेमंद है।' थिएनक्वांगछिंग चाइनिज अकादमी ऑफ सोशल साइंस में सीनियर रिसर्च फेलो हैं। उनके बयान पर गौर करें, तो चीनी मंशा साफ हो जाती है। थिएनक्वांगछिंग ने कहा, 'आकार और जनसंख्या के मामले में एक छोटे राष्ट्र के रूप में मालदीव की प्राथमिक चिंताएं स्वतंत्रता बनाए रखना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। मालदीव में भारत की सैन्य उपस्थिति देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए खतरा है। मुइज्जू का अभियान आर्थिक विकास पर काफी हद तक केंद्रित है। यह चुनाव राष्ट्रपति के विकास एजेंडे के लिए जनता के समर्थन को दर्शाता है।

पालक

पालक न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस है। आयरन से भरपूर पालक पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम मांसपेशियों के काम को कंट्रोल करने और थकान को कम करने में मदद करता है। खासतौर पर हार्ड वर्कआउट के बाद पालक का सेवन लाभकारी माना जाता है। इसकी मदद से लंबे दिनों तक स्टैमिना बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा पालक विटामिन बी और अन्य महत्वपूर्ण विटामिन जैसे ए, ई, के और सी से भरपूर होता है जो त्वचा की बनावट में सुधार करने और त्वचा संबंधी कई विकारों के इलाज में मदद करता है। यह सूरज की हानिकारक अल्ट्रा-वायलेट विकिरणों से त्वचा को बचाने में भी मदद करता है। यह सूरज की क्षति के मामले में त्वचा की चिकित्सा को बढ़ावा देता है और समय से पहले बूढ़ा होने, त्वचा कैंसर और सूरज से होने वाले अन्य त्वचीय विकारों को रोकता है।

चिया सीड

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चिया सीड न सिर्फ दिल के लिए बल्कि स्टैमिना बढ़ाने के लिए भी अच्छा होते है। ओमेगा-3 फैटी एसिड सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं, जिससे एक्सरसाइज के दौरान मांसपेशियों को बल मिलता है। चिया बीज फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होते हैं। ऐसे में अगर इनका नियमित सेवन किया जाए तो हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं।

केला

पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, और विटामिन से भरपूर केले एक्सरसाइज के दौरान खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को वापस लाते हैं, जिसके कारण ये वर्कआउट से पहले, और बाद में खाने के लिए एक बढ़िया विकल्प बन जाता है। केले को चाहे ओटमील में काटकर खाएं, या स्मूदी में मिलाकर। चलते-फिरते ये हर तरह से हमारे शरीर का स्टैमिना बढ़ाने में मददगार हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन सी बेहद जरूरी होता है। आमतौर पर संतरे और खट्टी चीजों को विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत माना जाता है, लेकिन केला भी विटामिन सी की जरूरत को पूरा कर सकता है। एक मीडियम साइज का केला हमारी दिन की विटामिन सी की जरूरत का 10 प्रतिशत पूरा करता है। विटामिन सी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के अलावा आयरन को एब्सॉर्ब करने में मदद करता है।

बेजान शरीर में ताकत भरेंगी ये चीजें

सीढ़ियां चढ़ने पर नहीं फूलेगी सांस

थकान-कमजोरी का सबसे बढ़िया इलाज खाने-पीने पर ध्यान देना है। आप अपनी डाइट में बदलाव करके अपने शरीर में ऊर्जा और जान भर सकते हैं। आप स्टैमिना बढ़ाने के लिए इन चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आज के दौर में जहां हर किसी की जिंदगी भागदौड़ से भरी है और काम खत्म होने का नाम नहीं लेते। वहां खुद को ऊर्जावान बनाए रखना बहुत जरूरी है। एनर्जी ड्रिंक्स और तरह-तरह के सप्लीमेंट थोड़े समय के लिए शरीर में ताकत भर देते हैं, लेकिन परमानेंट स्टैमिना बढ़ाने के लिए नेचुरल डाइट ही सबसे अच्छा उपाय है।

ओट्स

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर ओट्स शरीर को लगातार ऊर्जा देते हैं, जिससे लंबे समय तक आपका पेट भरा रहता है और आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। ओट्स में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है, और स्टैमिना बनाए रखने में मददगार है। ओट्स का सेवन आपके वजन को कम करने में सहायक हो सकता है। इस बात कि पुष्टि एक साइंटिफिक रिसर्च से भी हो चुकी है। ठीक से पेट साफ न होने पर दिनभर स्वभाव चिड़चिड़ा रहता है। ऐसे में ओट्स का सेवन कर कब्ज की समस्या को दूर किया जा सकता है।

ओट्स में पाए जाने वाला फाइबर इस समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकता है, क्योंकि यह भोजन को पचाकर मल के रूप में बाहर निकालने का काम करता है।

क्विनोआ

क्विनोआ को एक संपूर्ण प्रोटीन माना जाता है। इसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं, जो इसे स्टैमिना बढ़ाने वाले किसी भी डाइट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें पाई जानी वाली हाई प्रोटीन मात्रा मांसपेशियों के ऊतकों की मरम्मत में मदद करती है, और लंबे समय तक चलने वाली गतिविधियों जैसे साइकिल चलाना, या लंबी पैदल यात्रा के लिए जरूरी लगातार ऊर्जा प्रदान करती है।

हंसना मना है

पत्नी- मैं तो तंग आ गई हूं इस आदमी से, कोई काम ठीक से नहीं कर सकता...! पति - अरे भाग्यवान, अब क्या खता हो गई मुझसे...? पत्नी - ये कल तुमने गैस खत्म होने पर कैसा सिलिंडर लगाया है, दो बार दूध गर्म किया, दोनों बार ही फट गया...!!!

पत्नी - शादी से पहले तो तुम कहते थे कि शादी के बाद मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार करूंगा...अब क्या हुआ? पति - सच बताऊं जानू...? पत्नी (खुश होते हुए) - हां बताओ... पति - मुझे नहीं लगता था कि हमारी शादी हो ही जाएगी...!!!

आज का महाज्ञान... जिस पुरुष ने आज के समय में बीवी, नौकरी और स्मार्टफोन के बीच में सामंजस्य बैठा लिया हो, वह पुरुष नहीं महापुरुष कहलाता है...!!!

रेलवे पूछताछ केंद्र पर एक महिला पहुंची... क्लर्क - कोहरे के कारण सब ट्रेनें लेट हैं, और कुछ पूछना है...? महिला - इस ड्रेस में मैं मोटी तो नहीं लग रही...!

पप्पू - मां ये लड़कियां इतने व्रत क्यों रखती हैं...? मां - बेटा इतनी आसानी से थोड़ी मिल जाएगा किसी को तू...! पप्पू बोला- कसम से आज पहली बार देवता वाली फीलिंग आ रही है...!!!

कहानी | कछुआ और खरगोश

एक वक्त की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता, वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वो हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरे का मजाक भी उड़ाता। एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने खरगोश की चुनौती मान ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया। जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई और खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुंचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहां तक पहुंचने में काफी वक्त लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए। यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा। पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आंख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुंच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियां बजानी शुरू कर दी। तालियों की आवाज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वो दौड़कर जीत की रेखा तक पहुंचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था और खरगोश पछताता रह गया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यही सीख मिलती है कि जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी न कभी टूटता जरूर है।

7 अंतर खोजें

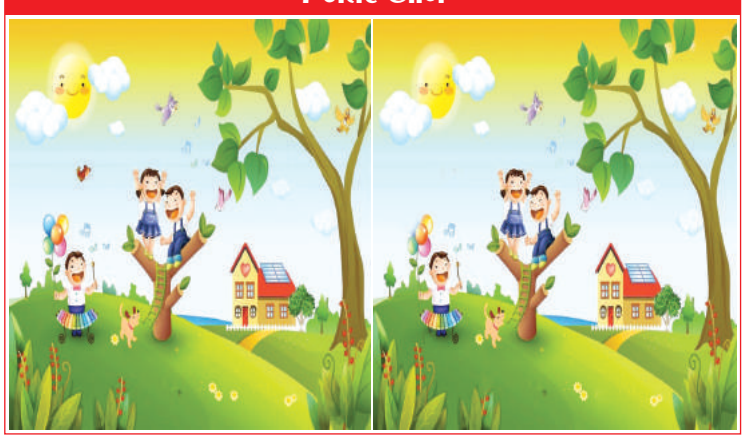

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दुःखद समाचार मिल सकता है।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें।

तुला बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉडी शेमिंग करने वालों पर लारा ने ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

लारा दत्ता ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के बाद वह फिल्मों में नजर आईं। लारा ने अपनी खूबसूरती और टैलेंट के दम पर बॉलीवुड में अलग मुकाम हासिल किया है। लारा दत्ता लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से वेब सीरीज रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड में नजर आने वाली है। इस बीच एक्ट्रेस ने बॉडी शेमिंग का शिकार होने पर ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड के लगातार प्रमोशन के बीच लारा दत्ता ने ऑनलाइन ट्रोलिंग पर खुलकर बातचीत की है। लारा ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनकी ज्यादा फैन फॉलोइंग तो नहीं है, लेकिन उनके अच्छे फॉलोअर्स उन्हें कभी नीचा नहीं दिखाते हैं। लारा ने कहा कि उन्हें लगता है कि हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, फिर चाहे वह नेगेटिव हो या पॉजिटिव। लारा ने कहा कि जब लोग बुरे कमेंट अरे बुड्ढी हो गई हो, अरे मोटी हो गई हो करते हैं, तो इस तरह की बातें उनके जीवन पर कोई असर नहीं डालती है। क्योंकि लारा को लगता है कि ऐसे लोग खुद ही अपने जीवन में किसी ना किसी बात से बहुत ज्यादा परेशान होते हैं और वह नहीं जानते हैं कि उन्हें अपने जीवन में क्या चाहिए। आगे लारा ने कहा कि यह सब मुझे एक्सेप्ट है। लारा दत्ता की यह वेब सीरीज रणनीति 2019 में पुलवामा और बालाकोट में हुई घटनाओं के कई पहलुओं को दर्शाने वाली है। इस सीरीज में लारा के साथ जिमी शेरगिल, आशीष विद्यार्थी, आशुतोष राणा और प्रसन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज राजनीति, शक्ति और महत्वाकांक्षा की कहानी बताती है। यह सीरीज 25 अप्रैल से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

धार्मिक कार्यों के लिए नहीं बल्कि सोशल वर्क लिए फंड करती हैं विद्या बालन

बॉलीवुड | मसाला

विद्या बालन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म दो और दो प्यार को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में एक बड़ा बयान दे दिया है जिसकी वजह से वो सुर्खियों में आ गई हैं। बता दें कि उन्होंने हाल ही में धर्म पर अपने विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि जब बात धर्म की आती है तो देश में लोगों के अलग-अलग ओपिनियन होते हैं। लोग यहां ऐसी चीजें करने की कोशिश करते हैं जिससे उन्हें पहचान मिल सके।

हाल ही में दिए इंटरव्यू में विद्या बालन से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि देश अब धर्म को लेकर ध्रुवीकृत हो चुका है। इसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि हम अब काफी ज्यादा पोलराइज्ड हो चुके हैं। पहले देश में हमारी कोई धार्मिक पहचान नहीं थी लेकिन अब मुझे ऐसा लगता है कि ये सिर्फ पॉलिटिक्स में नहीं है बल्कि सोशल मीडिया पर भी है। हम लोग दुनिया में कहीं खो चुके हैं। अपनी पहचान को तलाश रहे हैं, जो हमारे पास नहीं है। विद्या बालन ने कहा, मैंने कभी धार्मिक स्ट्रक्चर के निर्माण को लेकर पैसे डोनेट नहीं किए हैं। मैं हेल्थकेयर, सैनिटेशन और एजुकेशन के लिए पैसे फंड करती हूं। हालांकि मैं खुद बहुत ज्यादा धार्मिक हूं और रोज पूजा भी करती हूं।

उन्होंने ये भी कहा कि वो किसी भी राजनीतिक बात पर टिप्पणी करने से कतराती हूं, क्योंकि फिर एक्टर्स को लोग बैन करने लग जाते हैं। वो बोलीं, राजनीति से बहुत डर लगता है, फिर हमको बैन-वैन कर देंगे तो...शुक्र है कि मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अब एक्टर्स सावधान हो गए हैं, राजनीति के बारे में बात करने के बारे में, क्योंकि आप नहीं जानते कि कौन नाराज हो जाएगा। खासकर किसी फिल्म की रिलीज के आसपास 200 लोगों का काम दांव पर होता है, इसलिए मैं सिर्फ इतना कहती हूं कि मुझे राजनीति से दूर रखें। यह सोशल मीडिया के कारण हो रहा है, लोग हर बात पर बुरा मान जाते हैं। वे उन मामलों पर भी अपना इनपुट देते हैं जिनके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं होती। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपना मुंह बंद कर लें और काम करते रहें।

मल्लिका ने ठुकराया ईशान खट्टर की मां बनने का रोल

मल्लिका शेरावत को आज कौन नहीं जानता। उन्होंने इमरान हाशमी के साथ फिल्म मर्डर में बेबाक सीन्स से देशभर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद भी वह कई फिल्मों का हिस्सा बनीं, लेकिन मल्लिका को खास पॉपुलैरिटी नहीं हासिल हो पाई। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि जल्द ही एक्ट्रेस इंडस्ट्री में कमबैक करने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में उन्हें फिल्मकार प्रीतिश नंदी की सीरीज द रॉयल्स के लिए कास्ट किया गया था।

मल्लिका की इस सीरीज को लेकर कहा जा रहा है कि द रॉयल्स में उन्हें एक्टर ईशान खट्टर की मां के रोल में साइन किया गया था। हालांकि, अब ऐन मौके पर एक्ट्रेस ने इस सीरीज का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि वह रोल से खुश नहीं थीं। वह ईशान की मां का किरदार नहीं निभाना चाहतीं। इसी कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को बाहर कर लिया।

बता दें कि द रॉयल्स में ईशान खट्टर के साथ भूमि पेडनेकर भी अहम रोल्स में नजर आने वाली हैं। वहीं, कहा जा रहा है कि सीरीज में मल्लिका का किरदार भी खास नहीं था। इसके अलावा मां की भूमका निभाकर अपने लिए कोई भी कैरेक्टर जॉनर सेट नहीं करना चाहतीं।

गौरतलब है कि मल्लिका बेशक एक्टिंग की दुनिया में कुछ समय से एक्टिव न हो, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ लगातार जुड़ी रहती हैं। वहीं, पिछले दिनों एक्ट्रेस उस समय चर्चा में आईं जब वह एक इवेंट में स्पॉट की गई थीं। इस दौरान उनकी 20 साल बाद इमरान हाशमी से भी मुलाकात हुई। वहीं, एक्ट्रेस को पिछली बार 2022 में फिल्म आरके/आरके में देखा गया था।

अजब-गजब | इस होटल की एक रात की कीमत जानकर हो जायेंगे परेशान

यहां पानी के बीच बना है होटल मछलियों के बीच सोते हैं मेहमान

इंसान जमीन पर चलता है, उसके ऊपर बने घरों पर रहता है। कई इमारतें इतनी ऊंची होती हैं कि वो उनकी ऊपरी मंजिल पर रहकर आसमान में रहने की फीलिंग ले सकता है। पर पानी के नीचे रहने के अनुभव को कैसे महसूस किया जा सकता है? उसके लिए तो आपको पंडुब्बी में रही रहना पड़ेगा। पर वो हर किसी के लिए मुमकिन नहीं है। हालांकि, अब पानी के नीचे रहने का सपना एक होटल ने सच कर दिया है। तंजानिया में पानी के नीचे एक अनोखा होटल बना है, जिसकी खिड़कियों से मछलियां तैरती हुई नजर आती हैं। ऐसे में लोग मछलियों के बीच सोने का लुत्फ उठा सकते हैं। पर यहां रहना इतना महंगा है, कि 1 रात की कीमत जानकर आपका दिमाग चकरा जाएगा।

तंजानिया के जांजीबार में मांटा रिजॉर्ट लोगों को पानी के नीचे रात गुजारने का अनोखा अनुभव दे रहा है। यहां पर बहुत से टूरिस्ट आते हैं जो यहां के सफेद बीच का आनंद उठाते हैं। इस रिजॉर्ट में एक कमरा ऐसा भी है, जो पानी के नीचे बना है। इसमें

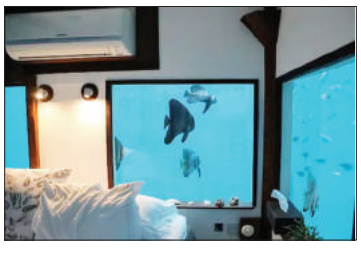

एक बेडरूम है, जिसमें चारों ओर खिड़कियां बनी हुई हैं। इन खिड़कियों से मछलियां, कोरल, और स्किड आदि भी नजर आ जाते हैं। आपको बता दें कि अंडरवॉटर रूम में रहने के लिए आपको 1 रात में 90 हजार रुपये तक खर्च करना पड़ेगा, 1 कमरे में दो लोग रह सकते हैं। रिजॉर्ट में कम से कम 3 दिन की ही बुकिंग होती है। पेंबा आइलैंड पर बने इस रिजॉर्ट पर रुकने के लिए आपको अतिरिक्त 3,700 रुपये चुकाने पड़ेंगे जो इंपैक्ट कॉन्ट्रिब्यूशन डोनेशन के रूप में लिया जाता है। ये आसपास की साफ-सफाई और वहां के लोकल लोगों पर खर्च करने के लिए ये रुपये चार्ज किया जाता है।

इस रिजॉर्ट में आपको अन्य कमरे भी मिलेंगे, जो पानी के नीचे नहीं हैं। पर पानी के नीचे वाले कमरे में ज्यादा खिड़कियां होने की वजह से 360 डिग्री व्यू मिलेगा, जिसके जरिए लोग अंदर की चीजों को आसानी से देख सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रिजॉर्ट को स्वीडन के इंजीनियरों की मदद से बनाया गया है। ये ती स्तर में बना है। पानी के नीचे वाले कमरों को ऊपर, यानी पानी से बाहर निकलकर लाउंज और बाथरूम आदि की भी सुविधा है। इस रिजॉर्ट में आपको अन्य कमरे भी मिलेंगे, जो पानी के नीचे नहीं हैं। पर पानी के नीचे वाले कमरे में ज्यादा खिड़कियां होने की वजह से 360 डिग्री व्यू मिलेगा, जिसके जरिए लोग अंदर की चीजों को आसानी से देख सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रिजॉर्ट को स्वीडन के इंजीनियरों की मदद से बनाया गया है। ये ती स्तर में बना है। पानी के नीचे वाले कमरों को ऊपर, यानी पानी से बाहर निकलकर लाउंज और बाथरूम आदि की भी सुविधा है।

सांप कभी मनुष्य का पीछा नहीं करता अपने बचाव में संयोगवश करता है हमला

सांप धरती पर सबसे विषैले जीवों में से एक हैं। ब्लैक मांबा, इनलैंड ताइपन जैसे कुछ सांपों में तो इतना जहर होता है कि इनके एक बूंद जहर से भी दस से ज्यादा लोगों की जान जा सकती है। सांप सामने दिख जाए, तो लोग भाग लेना ही पसंद करते हैं। क्योंकि उन्हें डर बना रहता है कि कब हमला कर दे। लेकिन क्या सचमुच सांप लोगों का पीछा करते हैं? देखते ही तुरंत हमला कर देते हैं? आइए जानते हैं हकीकत आखिर है क्या? कई लोगों को आपने कहते हुए सुना होगा कि सांप उनका पीछा कर रहा था। कुछ तो यहां तक कहते हैं कि वे साइकिल से जा रहे थे, तभी सांप पीछे लग गया। कुछ तो यहां तक कह जाते हैं कि सांप ने उनकी कार पर छलांग लगा दी। लेकिन क्या ये सब सच है? क्या सचमुच सांप पीछा करते हैं? एक्सपर्ट ऐसा बिल्कुल भी नहीं मानते। कोई भी सांप कभी इंसान की ओर आना नहीं चाहता। वे इंसानों को शिकार के रूप में नहीं देखते, और उन पर हमला करने का उनका कभी इरादा नहीं होता। किसी इंसान के ओर सांपों के आने का मतलब उनका पीछा करना बिल्कुल नहीं। सांपों के पीछा करने का दावा सिर्फ एक भ्रम है, जो फैलाया गया है। यही भ्रम किसी भी इंसान के अंदर लड़ो या भागो का डर पैदा कर देता है। ऐसी स्थिति में सांप की कोई भी हलचल से यही लगता है कि वह पीछा कर रहा है। हमला करना चाहता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। एक्सपर्ट के मुताबिक, सांप आक्रामक नहीं होते। अगर आपको इसके बारे में और विस्तार से जानना है, तो आप अपनी आंखों में डर देखने से पहले सांप की आंखों में देखें। वह बिल्कुल भी आक्रामक नहीं दिखेगा। वह सिर्फ उस जगह से भागता नजर आता है, जहां उसे अपनी जान का खतरा नजर आने लगता है। सांप जब किसी इंसान को देखता है, तो उसे लगता है कि कोई शिकारी उसका शिकार करने के लिए आ रहा है। जैसे-जैसे शिकारी करीब आता जाता है, वह भागने की कोशिश करने लगता है। सबसे पहले वह पानी की खोज करता है, जहां जाकर छिप सके। लेकिन अगर इस बीच रास्ते में कोई इंसान आ गया, तो वह हमलावर हो जाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर सांप आप की ओर झपटने की कोशिश करता है, तो इसका सिर्फ इतना मतलब है कि वह यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का प्रयास कर रहा है। आप उसके रास्ते में आ जाएं, और वह हमला कर दे, यह सिर्फ संयोग है। सामने आ जाने की स्थिति में आप उसे भाग जाने दीजिए।

नफरत को नकार कर जनता देश में बनाएगी नई सरकार : कमलनाथ

मप्र में कम वोटिंग पर बोले - बेहद मजबूत स्थिति में कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दो चरणों में कम मतदान हुआ है। इसे लेकर कांग्रेस नेता खुश नजर आ रहे हैं। कांग्रेस नेता और मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स कर लिखा- लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद स्पष्ट हो गया है कि देश की जनता ने नफरत की राजनीति को नकार दिया है।

मध्यप्रदेश की 6 सीटों समेत पूरे देश की 88 सीटों पर कांग्रेस बेहद मजबूत स्थिति में है। जनता ने कांग्रेस के पांच न्याय का समर्थन कर देश में परिवर्तन के लिए मतदान किया है। कांग्रेस और इसके घटक दलों के समर्थन में मतदान करने के लिए देश/मध्यप्रदेश के मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। याद रखें ! आपका एक वोट आपको रोजगार दिला सकता है। आपका एक वोट महंगाई कम कर सकता है। आपका एक वोट आपको कर्जमुक्त कर सकता है। आपका एक वोट आपको फसलों के सही दाम दिला सकता है। आपका एक वोट आपके घर में खुशहाली ला सकता है। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में शुक्रवार को 58.35 फीसदी मतदान हुआ, जबकि 2019 में 67.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस तरह इसमें 9.29 फीसदी की गिरावट आई। पहले चरण में 67.75 फीसदी वोटिंग हुई थी, जो कि 2019 के 75.24 फीसदी के मुकाबले 7.47 कम थी।

पीएम के हाव-भाव से पता चल रहा भाजपा हार रही : पटवारी

मध्य प्रदेश के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जीतू पटवारी खंडवा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं से मिलने बुरहानपुर पहुंचे थे। जहां उनके साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव भी साथ थे। जीतू पटवारी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए हाल ही के पीएम मोदी के भाषण पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में हुए मतदान, और पहले चरण के बाद पीएम मोदी के दिए भाषण में उनकी बदली हुई भाषा, यह साफ संकेत दे रहे हैं कि भाजपा की हार और इंडी गठबंधन की जीत होगी। यही नहीं भाजपा के 400 पार के दावे पर भी जीतू पटवारी ने दावा किया कि अब भाजपा सरकार नहीं बना पाएगी।

400 पार का नारा भाजपा का बड़बोलापन : सुब्रमण्यम स्वामी

मिर्जापुर। भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि 400 पार का नारा देना भाजपा का बड़बोलापन है। अब तो मोदी भी नहीं बोल रहे हैं और बोलना भी नहीं चाहिए। सिर्फ इतना ही कहना चाहिए कि केंद्र में बहुमत से आएंगे। पूर्व सांसद यहां एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए। उन्होंने कहा कि अगर चीन अगर भारतीय क्षेत्र को खाली नहीं करता तो भारत को उससे युद्ध करना चाहिए। राम मंदिर का निर्माण देश के लिए सौभाग्य की बात है। जहां राम पैदा हुए, वह स्थान हिंदुओं के लिए आस्था की जगह है। मैंने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया था कि राम मंदिर पर हमारा मूलभूत अधिकार है। अभी मथुरा में भव्य मंदिर का निर्माण होगा। मुसलमानों ने वैसे तो हजारों मंदिरों को तोड़ा है मगर अयोध्या, काशी और मथुरा के मंदिर हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। हमारी आस्था के प्रतीक हैं। कांग्रेस के बाबत पूछे गए सवाल पर कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी बेल पर हैं। सरकार दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रही है नहीं तो जेल में होते। ममता बनर्जी पर कहा कि वो बहादुर महिला हैं।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को कोर्ट ने दी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बरकरार रहेगी सात साल की सजा

नई दिल्ली। पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई है। हालांकि हाईकोर्ट ने सात साल की सजा को बरकरार रखा है। वो अभी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जमानत दे दी।

उन्हें जौनपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अपहरण और जबरन वसूली मामले में सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। सजा को रद्द करने की मांग कोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को जमानत दी है। आपको बता दें कि नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का अपहरण कराने, रंगदारी मांगने, गालियां और धमकी देने के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में चली सुनवाई गुरुवार को पूरी हो गई थी। मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शनिवार को अदालत ने फैसला सुनाया। आज ही उन्हें बरेली जेल में शिफ्ट किया गया है।

सजा के निलंबन के लिए जा सकते हैं सुप्रीम कोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का अपहरण कराने, रंगदारी मांगने, गालियां और धमकी देने के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत मंजूर कर ली है, लेकिन उनको ट्रायल में कोर्ट से मिली सात साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इससे पूर्व सांसद के राजनीतिक भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि उनकी पत्नी को बसपा ने जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। पूर्व सांसद धनंजय के अधिवक्ता कार्तिकेय सरन ने बताया कि जमानत के बावजूद धनंजय चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। क्योंकि हाईकोर्ट ने जमानत तो दी है लेकिन सजा पर रोक नहीं लगाई है। संभव है कि विशेष अदालत से मिली सजा के निलंबन को लेकर धनंजय सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

7 मई को बृजभूषण शरण सिंह पर तय होंगे आरोप

» कोर्ट ने आगे की जांच की मांग करने वाली याचिका खारिज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत महिला पहलवान यौन शोषण मामले में आरोपी भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न मामले में आगे की जांच की मांग की थी। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत अब 7 मई को मामले में आरोप तय करने पर आदेश सुनाएंगी।

भाजपा सांसद द्वारा आवेदन दायर करने के बाद 18 अप्रैल को अदालत ने सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर आदेश टाल दिया था। अपने आवेदन में सिंह ने आरोप तय करने पर आगे की दलीलें पेश करने की अनुमति मांगी। उन्होंने दिल्ली पुलिस को घटना की कथित तारीख 7 सितंबर 2022 को डब्ल्यूएफआई कार्यालय में उनकी उपस्थिति के संबंध में जांच करने का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि वह संबंधित तारीख पर भारत में नहीं थे। ताजा आवेदन में दिल्ली पुलिस को सीडीआर रिकॉर्ड में रखने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

हाईकोर्ट ने लगाई केजरीवाल को फटकार

कहा - निजी हित को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा, सौरभ भारद्वाज के रवैये पर भी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने दो लाख से अधिक छात्रों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने में विफलता के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाले दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को फटकार लगाई।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार केवल सत्ता के विनियोग में रुचि रखती है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा नहीं देकर अरविंद केजरीवाल ने व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा है। पीठ ने कहा एक अदालत के रूप में किताबें, वर्दी आदि का वितरण यह हमारा काम नहीं है। हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कोई अपने काम में विफल हो रहा है। आपका मुवक्किल सिर्फ सत्ता में रुचि रखता है। मुझे नहीं पता कि आप कितनी शक्ति चाहते हैं। समस्या यह है कि आप सत्ता हथियाने की कोशिश कर रहे हैं, इसीलिए आपको सत्ता नहीं मिल रही है। दिल्ली सरकार के वकील शादान फरासत ने कहा कि उन्हें शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज से निर्देश मिले हैं कि एमसीडी की स्थायी समिति की अनुपस्थिति में एक उपयुक्त प्राधिकारी को अधिक शक्तियां सौंपने के लिए मुख्यमंत्री की सहमति की आवश्यकता होगी जो वर्तमान में हिरासत में हैं। इस दलील पर एसीजे मनमोहन ने जवाब दिया कि यह कोई बहाना नहीं हो सकता है और यह भी कहा कि उच्च न्यायालय ने खुद अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने के निर्देश देने की मांग करने वाली विभिन्न याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

कोर्ट ने कहा यह आपकी पसंद है कि आपने कहा है कि मुख्यमंत्री के हिरासत में होने के बावजूद सरकार जारी रहेगी। आप हमें उस रास्ते पर जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जिस पर हम नहीं जाना चाहते थे। हमने जनहित याचिकाओं में कई बार ऐसा कहा है, लेकिन यह आपके प्रशासन का आह्वान है। यदि आप चाहते हैं कि हम इस पर टिप्पणी करें, तो हम पूरी सख्ती के साथ आएंगे।

पंजाब ने तोड़ा रिकॉर्ड, हासिल किया सबसे बड़ा लक्ष्य

» कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हराया

» केकेआर ने दिया था 262 रनों का टारगेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ईडन गार्डन्स में खेले गए आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स ने केकेआर को 8 विकेट से ऐतिहासिक तरीके से हराया। टी-20 क्रिकेट और आईपीएल के इतिहास का ये सबसे सफल रन चेज बन गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 261 रन बनाए।

इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने जॉनी बेयरस्टो के शतक और प्रभसिमरन-शशांक के अर्धशतक की बदौलत 8 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पंजाब ने 18.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 262 रन बनाए। 262 रनों के लक्ष्य के जवाब में पंजाब किंग्स ने अच्छी शुरुआत की। प्रभसिमरन सिंह और जॉनी बेयरस्टो के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई। बेयरस्टो और शशांक सिंह के बीच 37 गेंद में नाबाद 84 रन की साझेदारी हुई। जॉनी बेयरस्टो 48 गेंद में 8 चौके और 9 छक्कों की बदौलत 108 रन बनाकर नाबाद लौटे। शशांक सिंह ने 28 गेंद में 8 छक्कों और दो चौकों की मदद से 68 रन बनाए। केकेआर की ओर से सुनील नरेन ने एक विकेट झटका।

सॉल्ट ने कोलकाता के लिए की थी उम्दा बल्लेबाजी

वहीं इससे पहले केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 261 रन बनाए। केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन फिल सॉल्ट (75) ने बनाए। पंजाब की ओस से अर्शदीप सिंह को दो विकेट मिले। केकेआर की शुरुआत दमदार रही, सुनील नरेन और फिल साल्ट के बीच पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान नरेन ने 32 गेंद में 71 रन और फिल साल्ट ने 37 गेंद में 75 रन बनाए। वहीं आंद्रे रसेल ने 12 गेंद में 24 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने 23 गेंद में 39 रन की पारी खेली।

भाजपा को अगले चरणों में 'बूथ एजेंट' तक नहीं मिलेंगे : अखिलेश

बोले -पहले दोनों चरणों में दिख गया सच, दस साल से झूठ बोल रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो चरणों के मतदान के बाद यूपी में सियासत का तापमान भी चढ़ गया है। विपक्षी दलों के समूह 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के उत्तर प्रदेश में प्रमुख घटक समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मतदाता नहीं मिले और अगले चरणों में उसे 'बूथ एजेंट' तक नहीं मिलेंगे।

सपा प्रमुख ने दूसरे चरण के मतदान के बाद एक 'बूथ एजेंट' से बातचीत की एक समाचार चैनल की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की। उन्होंने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा, ''भाजपा के नेताओं के 10 साल लगातार झूठ पर झूठ बोलने के बाद आज भाजपा का जो बुरा हाल हो रहा है, उस सच को बोलने की हिम्मत भाजपा का एक 'बूथ एजेंट' कर रहा है। यह 'बूथ एजेंट' कह रहा है कि इनके (भाजपा के) पक्ष में मतदान नहीं होने का कारण भाजपा सरकार के खिलाफ जनता का रोष है जिसकी वजह महंगाई - बेरोजगारी जैसे असल मुद्दे हैं। यादव ने कहा कि पहले दो चरण के मतदान के बाद अगले चरणों में भाजपा का हाल और बुरा होगा।

जनता ने भाजपा का बोरिया-बिस्तर और झोला सब बांध दिया

उन्होंने कहा ''अभी दो चरण में भाजपा को मतदाता नहीं मिले, अगले चरणों में 'बूथ एजेंट' तक नहीं मिलेंगे। जनता ने भाजपा का बोरिया-बिस्तर और झोला सब बांध दिया है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीट के लिए सभी सात चरणों में मतदान होना है जिसमें शुरू के दो चरणों में आठ-आठ सीटों के लिए 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। अगले पांच चरणों में 64 सीटों पर मतदान होना है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में सीआरपीएफ के हाई रैंक अधिकारी पर गिरी गाज

गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद बर्खास्तगी का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक बड़े अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ के डीआईजी पर महिलाओं का आरोप हैं कि वो उनके साथ गंदी हरकत करते थे। आरोप के बाद अधिकारी को बर्खास्त करने के आदेश दिए गए हैं।

सरकारी जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिफारिश और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद यह कार्रवाई की गई है। कई महिला सीआरपीएफ कर्मियों की ओर से यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल ने यूपीएससी को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसके बाद गृहमंत्रालय ने उसे बर्खास्त करने का अनुरोध किया था।

अधिकारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को बताया था झूठा

खजान सिंह अभी मुंबई में तैनात हैं। उनके तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं दिया गया है। उन्हें बर्खास्तगी के नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उन पर दो आरोप हैं, जिनमें से एक मामले में बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है, दूसरे मामले की जांच अभी चल रही है। उन्होंने पहले इन आरोपों को पूरी तरह से झूठे बताते हुए खारिज कर दिया था और दावा किया था कि ये उनकी छवि खराब करने के लिए लगाए गए हैं। लगभग 3.25 लाख कर्मियों वाला सीआरपीएफ बल 1986 में पहली बार महिलाओं को लड़ाकू दस्तों में शामिल करने वाला बल बना था। अब इसमें छह महिला बटालियन हैं, जिनमें कुल 8,000 महिला कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, महिलाएं सीआरपीएफ में खेल और विभिन्न प्रशासनिक पदों पर भी काम करती हैं।

लड्डू खाकर दर्जनों बच्चे बीमार बलरामपुर में चल रहा इलाज

» मेहंदीगंज में पारिवारिक समारोह में मशहूर दुकान से लिए थे लड्डू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुराने लखनऊ में लड्डू खाकर कई दर्जन बच्चे बीमार हो गए। यह घटना राजधानी में सालों से मशहूर हाजी स्वीट हाउस से जुड़ा है। बीमार बच्चों को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। दरअसल, एक पारिवारिक समारोह के लिए हाजी स्वीट लड्डू वाले की दुकान से परिजन 5 किलो लड्डू लेकर गए थे।

परिजनों का आरोप लगाया कि लड्डू खाने के बाद से ही बच्चों की तबियत बिगड़ गई। बलरामपुर अस्पताल में सभी का इलाज जारी है। ये बच्चे फैजुल्लागंज व मेहंदीगंज के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बच्चों की संख्या लगभग 25 से 30 बताई जा रही है। गौरतलब हो कि यह दुकान नक्खास स्थित हाजी स्वीट के नाम से मशहूर है। यह दुकान वर्षों पुरानी है और आस-पास के लोगों के बीच में काफी लोकप्रिय है।

धीरे-धीरे प्रदेश में गर्मी हो रही प्रचंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिन पर दिन प्रदेश के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है। इसी के साथ गर्मी भी बढ़ने लगी है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। अब लोग गर्मी से बने के उपाय भी करते नजर आने लग हैं। आगरा प्रदेश के गरम शहरों में तीसरे स्थान पर रहा। दोपहर में धूप और शाम को धूल ने शहरवासियों को जमकर परेशान किया। कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई। शुक्रवार को सुबह से ही सूरज ने आंखें तरेरी।

सुबह नौ बजे से ही धूप चुभने लगी थी। दिन चढ़ने के साथ ही सूरज के तेवर भी तल्ख होते चले गए। दोपहर 12 से दो बजे के बीच तो घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। धूप में त्वचा झुलस गई। लोगों ने जरूरी काम होने या फिर स्वयं को पूरी तरह कपड़ों से ढकने के बाद ही घर से बाहर निकलना पसंद किया। दोपहर बाद बादल घिर आए। शाम को तेज हवा चलने से धूल उड़ती रही। धूल की वजह से राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। तेज हवा से होर्डिंग फट गए। अधिकतम तापमान गुरुवार की अपेक्षा 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। यह सामान्य तापमान से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान में गुरुवार की अपेक्षा मामूली वृद्धि दर्ज की गई। शाम को बूंदाबांदी होने पर लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान में वृद्धि और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

लू की मार, तेज हवाओं का अलर्ट

मेरठ में चढ़ता रहा पारा

मेरठ। लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान जनपद में इस बार मौसम के तेवर तल्ख रहे। पिछले दो लोकसभा चुनावों को देखें तो पारा इस बार सर्वाधिक रहा। अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रहा। यह इस सीजन का भी सबसे अधिक तापमान है। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के दौरान भी पारा 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे ही 30.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। तापमान लगातार चढ़ता रहा।

मणिपुर में फिर हिंसा, 2 जवान शहीद, कई घायल

कुकी उग्रवादियों का सीआरपीएफ पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारनसेना। मणिपुर के नारनसेना इलाके में आधी रात को कथित कुकी उग्रवादियों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 2 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि इस हमले में कई जवान घायल हुए हैं, ये जवान राज्य के बिष्णुपुर जिले के नारनसेना इलाके में तैनात सीआरपीएफ की 128वीं बटालियन के हैं, मणिपुर पुलिस ने इस हमले की जानकारी दी और बताया कि ये हमला आधी रात को हुआ है,

बता दें कि शुक्रवार को मणिपुर में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई है, वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद ये हमला किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, कि उग्रवादियों ने पोस्ट को निशाना बनाकर पहाड़ी की चोटियों से अंधाधुंध गोलीबारी की। गोलीबारी रात करीब साढ़े 12 बजे शुरू हुई और देर रात लगभग सवा दो बजे तक जारी रही। आतंकवादियों ने बम भी फेंके, जिनमें से एक बम सीआरपीएफ की 128 बटालियन की चौकी में फट गया। सीआरपीएफ जवानों को आईआरबीएन शिविर की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था. पुलिस ने कहा कि हमले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। धमाके की चपेट में आकर चार जवान घायल हो गए. जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से दो की मौत हो गई। अन्य घायल जवानों का इलाज चल रहा है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

शुक्रवार को हुई है वोटिंग

मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, प्रदीप कुमार झा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में बाहरी मणिपुर में अधिक मतदान और हिंसा की घटनाओं की जानकारी दी। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, लगभग एक घंटे पहले हमें मिली आखिरी रिपोर्ट तक, मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत के बीच था और कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे चरण के मतदान के दौरान लोग बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए निकले।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।